1. वाहन चालक

एक बार एक वाहन चालक को पुलिस ने रोका। वह एक अच्छा वाहन चालक था और जहाँ तक उस की समझ थी उस ने कोई गलती नहीं करी थी।

पुलिस अधिकारी ने उस से कहा, “मैंने तुम्हें इसलिये रोका क्योंकि तुम गाडी को 55 मीटर प्रति घण्टे की रफतार से चला रहे थे, जबकी यह पाठशाला का क्षेत्र है। तुमने दस चेतावनियों को अनदेखा कर दिया जो यह बता रही थीं की यहाँ गाडी की गती 15 मीटर प्रति घण्टा होनी चाहिए।“

जैसे इस वाहन चालक को दस चेतावनीयाँ दी गयीं थीं, उसी तरह परमेश्वर ने हमारे लिए भी बाइबल में दस चेतावनियाँ दी हैं। इन्हें दस आज्ञाऐं कहा जाता है।

क्या आप ने कभी झूठ बोला, कुछ चुराया, या परमेश्वर का नाम व्यर्थ में लिया? यदी आप मेरी तरह हैं तो जवाब “हाँ“ है।

सुनिये की बाइबल क्या कहती है:

- “क्योंकि जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है परन्तु एक ही बात में चूक जाए तो वह सब बातों में दोषी ठहर चुका है।“ याकूब 2:10

परमेश्वर कह रहे हैं की यदी हम एक आज्ञा भी नहीं मानते तो हम पाप कर रहे हैं और सारी आज्ञाओं को तोडने के लिए हमें जवाब देना होगा जिस में व्यभिचार और खून भी शामिल हैं।

- “क्योंकि पाप की मज़दूरी तो मृत्यु है।“ (हम नरक में डाल दिये जाऐंगे क्योंकि उस की उपस्थिती में पाप की जगह नहीं।) रोमियों 6:23

यदी कहानी यहीं पर समाप्त हो जाए तो हमारे लिए कोई उम्मीद नहीं है ...

2. अपराधी

एक निरदोश व्यक्ति न्यायधीश के पास जाता है और एक अपराधी के बदले वह स्वंय मरने की सज़ा झेलना चाहता है। न्यायधीश सहमत हो जाते हैं। अगले दिन न्यायधीश ने अपराधी से कहा की उन्होंने एक निर्णय लिया है।

“एक निरदोश व्यक्ति को तुम्हारे बदले मौत की सज़ा दी गयी। यदी तुम अपनी सज़ा के लिये उस के भुगतान को मान लेते हो तो तुम यहाँ से जाने के लिये स्वतंत्र हो। यदी तुम उस के भुगतान को स्विकार नहीं करते, तो तुम्हारे अपराध के लिये तुम्हें मौत की सज़ा दी जाऐगी। तुम क्या चुनना पसन्द करोगे?”

यीशु मसीह जो परमेश्वर का पुत्र है, उन में पाप नहीं था, परन्तु उन्होंने अपनी इच्छा से अपनी जान दी ताकी वह आप के और मेरे पापों का जुर्माना भर सकें। (परमेश्वर के अनुसार हमारे पापों की सज़ा मृत्यु है।) तीन दिन के बाद वह मुर्दों में से जी उठा.

- “परमेश्वर हम पर अपनी प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।“ रोमियों 5:8
- “परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।“ रोमियों 6:23b

आप के बदले में यीशु की मृत्यु का नतीजा यह है की आप के पास चुनने के लिये दो बातें हैं:

पश्चताप कर के अपने पापों के लिये क्षमा और अनन्त जीवन पायें (अपने पापों को पहचान कर उन से दूर जाने की चाह) और प्रभु यीशु पर विश्वास करना। (प्रेरित 20:21)

या

परमेश्वर की क्षमा और अनन्त जीवन को ठुकरा देना, यीशु के अलावा दूसरों पर भरोसा कर परमेश्वर के समक्ष स्वंय को स्विकृत करना, जिस से परमेश्वर की आज्ञा को तोडने का जुर्माना आप स्वंय भरेंगे।

- “जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है, परन्तु जो पुत्र को नहीं मानता वह जीवन नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।“ यूहन्ना **3:36**

यीशु को जानने का अर्थ यह नहीं की आप यीशु पर विश्वास करते हैं...

3. आसमान का कलाबाज़

आसमान में कलाबाज़ी दिखाने वाला हवाई जहाज़ से कूदते समय अपना विश्वास पैराशूट (छाते) पर रखता है।

यीशु के पीछे चलने वाले उस पर अपना विश्वास, परमेश्वर की आत्मा के द्वारा उन के विचारों और इच्छाओं के बदलाव के द्वारा बताते हैं.

- “इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई हैं, देखो सब बातें नई हो गई हैं।“ 2 कुरिन्थियों 5: 17
- “मैं तुम को नया मन दूँगा और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूँगा” यहेजकेल 36:26

जैसे की किसी मोटरखाने में केवल जाने से कोई कारीगर नहीं बन जाता, वैसे ही केवल गिरजाघर जाने से आप मसीही नहीं बन जाते।

यदी आप अपने पापों के लिये परमेश्वर की क्षमा और अनन्त जीवन का उपहार पाना चाहते हैं, तो इस तरह की प्रार्थना करें:

“यीशु मैं मानता हुँ की जब आप सलीब पर मरे और मुर्दों में से जी उठे, तो आप ने मेरे पापों का जुर्माना भरा। मैं अपने पापों को छोडना चाहता हुँ और आप को प्रभु मान अपना विश्वास आप पर रखना चाहता हुँ। मैं जीवन भर आप के पीछे चलना चाहता हुँ। अनन्त जीवन के उपहार के लिये आप का धन्यवाद है। आमीन।“

- “जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पाएगा।“ रोमियों 10:13

यीशु के पीछे सच्चे रूप से चलने वालों की इच्छा है:

- “ताकी तुम्हारा चाल चलन प्रभु के योग्य हो, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो और तुम में हर प्रकार के भले कामों का फल लगे और तुम परमेश्वर की पहचान में बढते जाओ।“ कुलिसियों 1:10

प्रतिदिन बाइबल पढें।. ऐसे गिरजाघर जायें जो बाइबल की शिक्षा देता हो। इस लेख को मुफ्त में प्राप्त करें:

www.tracts.com/Hindi.html

यीशु कौन है?

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने आने वाले मसीहा के बारे में बताया

यशायाह

क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ हमें एक पुत्र दिया गया है और प्रभुता उसके काँधे पर होगी और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर अनन्तकाल का पिता और शान्ति कk राजकुमार रखा जाएगा।. यशायाह 9:6

यह सब कुछ इसलिये हुआ है कि प्रभु ने भविष्यवक्ता द्वारा जो कुछ कहा था, पूरा हो: "सुनो, एक कुँवारी कन्या गर्भवती होकर एक पुत्र को जन्म देगी। उसका नाम इम्मानुएल रखा जायेगा।" (जिसका अर्थ है "परमेश्वर हमारे साथ है।") यशायाह 7:14, मत्ती 1:22-23

दानिएल

"रात को मैंने अपने दिव्य स्वप्न में देखा कि मेरे सामने कोई खड़ा है, जो मनुष्य जैसा दिखाई देता था। वह आकाश में बादलों पर आ रहा था। वह उस सनातन राजा के पास आया था।सो उसे उसके सामने ले आया गया। "वह जो मनुष्य के समान दिखाई दे रहा था, उसे अधिकार, महिमा और सम्पूर्ण शासन सत्ता सौंप दी गयी। सभी लोग, सभी जातियाँ और प्रत्येक भाषा—भाषी लोग उसकी आराधना करेंगे। उसका राज्य अमर रहेगा। उसका राज्य सदा बना रहेगा। वह कभी नष्ट नहीं होगा। दानिएल 7:13-14

नया नियम में

परमेष्वर का पुत्र

यीशु ने उनसे कहा, "और तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ?" शमौन पतरस ने उत्तर दिया, "तू मसीह है, साक्षात परमेश्वर का पुत्र।" उत्तर में यीशु ने उससे कहा, "योना के पुत्र शमौन! तू धन्य है क्योंकि तुझे यह बात किसी मनुष्य ने नहीं, बल्कि स्वर्ग में स्थित मेरे परम पिता ने दर्शाई है। मत्ती 16:15-17

यीशु ने उन्हें उत्तर देते हुए कहा, "मेरा पिता कभी काम बंद नहीं करता, इसीलिए मैं भी निरन्तर काम करता हूँ।" इसलिये यहूदी उसे मार डालने का और अधिक प्रयत्न करने लगे। न केवल इसलिये कि वह सब्त को तोड़ रहा था बल्कि वह परमेश्वर को अपना पिता भी कहता था। और इस तरह अपने आपको परमेश्वर के समान ठहराता था। यूहन्ना 5:17-18

मेरा पिता और मैं एक हैं।" फिर यहूदी नेताओं ने यीशु पर मारने के लिये पत्थर उठा लिये। 32 यीशु ने उनसे कहा, "पिता की ओर से मैंने तुम्हें अनेक अच्छे कार्य दिखाये हैं। उनमें से किस काम के लिए तुम मुझ पर पथराव करना चाहते हो?" यहूदी नेताओं ने उसे उत्तर दिया, "हम तुझ पर किसी अच्छे काम के लिए पथराव नहीं कर रहे हैं बल्कि इसलिए कर रहें है कि तूने परमेश्वर का अपमान किया है और तू, जो केवल एक मनुष्य है, अपने को परमेश्वर घोषित कर रहा है।" यूहन्ना 10:30-33

वे सब बोले, "तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है?" उसने कहा, "हाँ, मैं हूँ।" लूका 22:70

जो मुर्दो में से जी उठा

आठ दिन बाद उसके शिष्य एक बार फिर घर के भीतर थे। और थोमा उनके साथ था। (यद्यपि दरवाज़े पर ताला पड़ा था।) यीशू आया और उनके बीच खड़ा होकर बोला, "तुम्हें शांति मिले।" फिर उसने थोमा से कहा, "हाँ अपनी उँगली डाल और मेरे हाथ देख, अपना हाथ फैला कर मेरे पंजर में डाल। संदेह करना छोड़ और विश्वास कर।" उत्तर देते हुए थोमा बोला, "हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर।" यीशु ने उससे कहा, "तूने मुझे देखकर, मुझमें विश्वास किया है। किन्तु धन्य वे हैं जो बिना देखे विश्वास रखते हैं।" यूहन्ना 20:26-29

और उन दीपाधारों के बीच मैंने एक व्यक्ति को देखा जो "मनुष्य के पुत्र" के जैसा कोई पुरुष था। उसने अपने पैरों तक लम्बा चोगा पहन रखा था। तथा उसकी छाती पर एक सुनहरा पटका लिपटा हुआ था। उसके सिर तथा केश सफेद ऊन जैसे उजले थे। तथा उसके नेत्र अग्नि की चमचमाती लपटों के समान थे। उसके चरण भट्टी में अभी-अभी तपाए गए उत्तम काँसे के समान चमक रहे थे। उसका स्वर अनेक जलधाराओं के गर्जन के समान था। तथा उसने अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिए हुए थे। उसके मुख से एक तेज दोधारी तलवार बाहर निकल रही थी। उसकी छवि तीव्रतम दमकते सूर्य के समान उज्वल थी। प्रकाशित वाक्य **1:13-16**

मैंने जब उसे देखा तो मैं उसके चरणों पर मरे हुए के समान गिर पड़ा। फिर उसने मुझ पर अपना दाहिना हाथ रखते हुए कहा, "डर मत, मैं ही प्रथम हूँ और मैं ही अंतिम भी हूँ। और मैं ही वह हूँ, जो जीवित है। मैं मर गया था, किन्तु देख, अब मैं सदा-सर्वदा के लिए जीवित हूँ। मेरे पास मृत्यु और अधोलोक [a] की कुंजियाँ हैं। प्रकाशित वाक्य **1:17-19**

उस के नाम में आपका जीवन हो सकता है

यीशु ने और भी अनेक आश्चर्य चिन्ह अपने अनुयायियों को दर्शाए जो इस पुस्तक में नहीं लिखे हैं। [31] और जो बातें यहाँ लिखी हैं, वे इसलिए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र, मसीह है। और इसलिये कि विश्वास करते हुए उसके नाम से तुम जीवन पाओ। यूहन्ना 20:30-31

1. The Driver

A driver was once stopped by a police officer. He was a good driver and as far as he knew he had done nothing wrong.

The police officer said, “I pulled you over because you were going 60 through a school zone. There were ten warning signs that the speed limit was 15 and you ignored them all.”

Just like the driver had ten warning signs, God has given us ten clear warning signs in the Bible. They are called the Ten Commandments.

Have you ever told a lie, stolen something or used God’s name as a curse word? If you’re like me the answer is ‘yes’.

Listen to what the Bible says:

- *Whoever keeps the whole law and yet stumbles at just one point is guilty of breaking all of it.* James 2:10

God is saying that by breaking one Commandment we have sinned and will be held accountable for breaking all of them, including adultery and murder.

- *God’s judgment for our sin is death.* (Banishment to hell because He will not allow sin in His presence). Romans 6:23a

If the story ends here, there is no hope for us…

2. The Convict

An innocent man approached a judge and volunteered to be executed in the place of a convicted murderer. The judge consented. The next day the judge told the convict he had a decision to make.

“An innocent man has been put to death in your place. If you will accept his payment for your crime, you are free to go. If you will not accept his payment, you will be executed for your crime. Which do you choose?”

Jesus Christ, the Son of God, was sinless but voluntarily gave his life to pay the penalty for your sins and mine. (God’s judgment for our sin is death). Three days later he rose from the dead.

- *God showed his great love for us by sending Jesus to die for us while we were still sinners.* Romans 5:8

- *The gift of God is eternal life in Christ Jesus our Lord.* Romans 6:23b

As a result of Jesus’ death in your place, you have two choices:

<u>Receive</u> both God’s pardon for your sins and eternal life by repenting (sensing your sinfulness and desiring to turn from it) and placing your trust in the Lord Jesus.

OR

<u>Reject</u> both God’s pardon for your sins and eternal life by trusting in anyone or anything other than Jesus to make you acceptable to God, thus bearing the penalty for breaking God’s law yourself.

- *Whoever believes in the Son has eternal life, but whoever rejects the Son of God will not see life, for God's wrath remains on him.* John 3:36

Knowing about Jesus doesn’t mean you believe in Jesus…

3. The Skydiver

Skydivers demonstrate their belief in their parachutes when they jump from the plane.

Followers of Jesus demonstrate their belief in Him when God’s Spirit changes their thoughts and desires.

- *If anyone is in Christ, he is a new creation; the old has gone, the new has come!* 2 Corinthians 5:17

- *God says, “I will give you a new heart and put a new spirit in you.” Ezekiel 36:26*

Just as entering a garage won’t make you a mechanic, attending a church won’t make you a Christian.

If you would like to receive God’s pardon for your sins and the gift of eternal life, consider a prayer like this:

“Jesus, I believe you paid the penalty for my sins when you died on the cross and rose from the dead. I want to turn from my sins and place my trust in you as my Lord. I am willing to follow you the rest of my life. Thank you for the gift of eternal life. Amen.”

- *Anyone who calls on the name of the Lord will be saved.* Romans 10:13

The desire of real followers of Jesus is to:

- *Live a life worthy of the Lord, pleasing Him in every way, bearing fruit in every good work, and growing in the knowledge of God.* Colossians 1:10

---

www.on-tract.com

Visit our website for:

- This Gospel message in over 100 languages
- The Bible’s answers to life’s questions
- A 30-day email guide to help you follow Jesus

All resources are FREE.

Who is Jesus?

Old Testament Prophets tell of the coming Messiah

Isaiah

To us a child is born, to us a son is given, and the government will be on his shoulders. And he will be called Wonderful Counselor, Mighty God, Everlasting Father, Prince of Peace. Isaiah 9:6

The virgin will be with child and will give birth to a son, and they will call him Immanuel" - which means, "God with us." Isaiah 7:14 and Matthew 1:22-23

Daniel

In my vision at night I looked, and there before me was one like a son of man, coming with the clouds of heaven. He approached the Ancient of Days and was led into his presence. He was given authority, glory and sovereign power; all peoples, nations and men of every language worshiped him. His dominion is an everlasting dominion that will not pass away. Daniel 7:13-14

In the New Testament

The Son of God

Jesus asked, "Who do you say I am?" Simon Peter answered, "You are the Christ, the Son of the living God." Jesus replied, "Blessed are you, Simon son of Jonah, for this was not revealed to you by man, but by my Father in heaven." Matthew 16:15-17

Jesus said to the Jewish religious leaders, "My Father is always at his work to this very day, and I, too, am working." For this reason the Jews tried all the harder to kill him; not only was he breaking the Sabbath, but he was even calling God his own Father, making himself equal with God. John 5:17-18

Jesus answered, "I and the Father are one." Again the Jews picked up stones to stone him, but Jesus said to them, "I have shown you many great miracles from the Father. For which of these do you stone me?" "We are not stoning you for any of these," replied the Jews, "but for blasphemy, because you, a mere man, claim to be God." John 10:30-33

After his arrest, the Jewish religious leaders all asked, "Are you then the Son of God?" He replied, "You are right in saying I am." Luke 22:70

www.on-tract.com

Who rose from the dead

Though the doors were locked, Jesus came and stood among them and said, "Peace be with you!" Then he said to Thomas, "Put your finger here; see my hands. Reach out your hand and put it into my side. Stop doubting and believe." Thomas said to him, "My Lord and my God!" Then Jesus told him, "Because you have seen me, you have believed; blessed are those who have not seen and yet have believed." John 20:26-29

I [John] saw someone "like a son of man," dressed in a robe reaching down to his feet and with a golden sash around his chest. His head and hair were white like wool, as white as snow, and his eyes were like blazing fire. His feet were like bronze glowing in a furnace, and his voice was like the sound of rushing waters. His face was like the sun shining in all its brilliance.

When I saw him, I fell at his feet as though dead. Then he placed his right hand on me and said: "Do not be afraid. I am the First and the Last. I am the Living One; I was dead, and behold I am alive for ever and ever! And I hold the keys of death and Hades. Revelation 1:13-18

You may have life in His name

Jesus did many miraculous signs in the presence of his disciples which are not recorded in this book. But these are written that you may believe that Jesus is the Christ, the Son of God, and that by believing you may have life in his name. John 20:30-31